हरी द्वार की याद सतावे

हरी द्वार की याद सतावे भोले कद सी बुलावे गा,
शिव शंकर केलाश पति कद नील कंठ पे आवे गा,

सावन बीता जान लाग रह्या घना करे जी आने को
तद्फन लगाया बात मेरा तेरी गंगा जी में नहाने को
हरी की पैडी उपर भोले घोता कब लगवावेगा,
शिव शंकर केलाश पति कद नील कंठ पे आवे गा,

केलाशी महादेव सुनो तुम नील कंठ महाकाल मेरी
दीवाना हु चडी खुमारी दर्शन को फिलहाल तेरी
डूब रही मजधार बता कद नैया पार लगावे गा
शिव शंकर केलाश पति कद नील कंठ पे आवे गा,

टीकम नागर एकला खड़ा तेरे गलियारे में
बम बम की जैकार सुना दे कावडीयो के लारे में
कहे पूजा शर्मा टीर तने दिल से नाच मनावे गा
शिव शंकर केलाश पति कद नील कंठ पे आवे गा,

Source: https://www.bharattemples.com/hari-dwar-ki-yaad-staawe/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw